४०१/३३०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग प्रवेश - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''इसकी तो विधिवत् पूजा करनी पड़ती है। तुम्हें इतना भी ज्ञान नहीं ?'' (५१)
२. ''आपका आश्रय चाहता हूँ । आप, मुझसे दूर न हों ।'' (१५)
३. ''परन्तु आज आप वृक्ष के नीचे पधारे और मेरी आँखें स्वत: खुल गई। '' (३०)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. नीलकंठवर्णी की बात सुनकर अमीचंद आश्चर्यचकित रह गया । (६८)
२. सहजानंद स्वामी के जीवन का अनन्य अध्याय प्रारंभ हुआ । (११२)
३. नीलकंठवर्णी ने लोज में रामानंद स्वामी के आश्रम में निवास करना श्रेष्ठ समझा । (९०)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. स्त्री-पुरुषों की सभा अलग-अलग की । (९२-९३)
२. तपस्वियों की दिव्य गति । (७-९)
३. रता बशिया का कल्याण । (५२-५५)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. महादत्त राजा की बहन का नाम क्या था ? (२८)
२. प्रेमजी ठक्कर खास आसन किसको देना चाहते थे ? (७६)
३. संयोगी साधु की कन्याओं ने माता-पिता से क्या कहा ? (४३)
४. कालापर्वत कहाँ आया हुआ है ? (२०)
५. पूना में नीलकंठवर्णी की सेवा किस ने की ? (६६)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. घनश्यामने किस किसको दिव्य दर्शन दिये ? (५-६)

(१) ☐ वेणीराम । (२) ☐ प्राग । (३) ☐ इच्छाराम । (४) ☐ रघुनंदन ।

२. सरजुदास लोज में कौन कौन सी सेवा करते थे ? (९५)

(१) ☐ भिक्षा माँगना । (२) ☐ गोबर ऊठाना ।
(३) ☐ पानी खींचकर संतो को स्नान कराना । (४) ☐ खेत में काम करने जाते थे ।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. शिकोतर जाते नीलकंठवर्णी को सामने ..... मिला । (७२)
२. मैं तुम्हारे जैसे मार्ग भूले हुए मुमुक्षुओं को मार्ग दिखाने घूम रहा हूँ, ऐसा नीलकंठवर्णी ने ..... को कहा । (२७)
३. भावसार भगवानदास को उसकी माँ ने ..... को खोजने भेजा । (५८)
४. त्यागी साधुओं को स्त्री और ..... का संपूर्ण त्याग करना चाहिए । (४२)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - १ - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''चलिए, चलिए, डभाण से कोई मुक्त आ रहा है ।'' (२१)
२. ''हमलोग तो सारंगपुर के मन्दिर के लिए मूर्तियाँ खरीदने जयपुर जाने को निकले हैं, पैसे लेने के लिए यहाँ आये तो यह संकट आ पडा ।'' (६२)
३. ''काठी लोग उनको भगवान मानते हैं ।'' (२)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. जीवुबा चार नाम से पहचाने जाते थे । (४४)
२. झीणाभाई ने अदीबा के साथ बोलना बंद कर दिया । (३१-३२)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.९ आशाभाई के हृदय में शांति हुई । (६३-६४) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. अशक्त हुए जेठाभाई ने क्या सोचा ? (५०)

२. ब्रह्मानंद स्वामी ने अहमदाबाद में मन्दिर के लिए किस के पास भूमिदान का लेख करवाया ? (७)

३. शुकमुनि कैसे महाराज के मंत्री बन गये ? (२२)

४. महायोगी के पैरों में पडते वक्त जोबनपगीने क्या सोचा ? (३५)

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : सद्गुरु शुकानंद स्वामी । (२१-२४,२५)

१. शुकमुनि अपने शरीर की स्थूलता को पसंद नहीं करते थे, इसीलिए मिन्नतें करके उन्होंने महाराज से बुखार माँगा था । **२.** शुकमुनि श्रीजीमहाराज से बीस साल छोटे थे । **३.** जगन्नाथ विप्र मूल बरोल गाँव के निवासी थे । **४.** सोमला खाचर ने महाराज से निवेदन किया कि, 'महाराज ! डभाण के ब्राह्मण को साधु होना है ।' **५.** श्रीजीमहाराज ने अपने बाँये चरण के अंगूठे से ज्योत फैलाकर पत्र पूरा लिखवाया । **६.** संवत् १९२५ में वड़ताल में शरीर छोड़ा । **७.** आज स्नान में विलंब हो गया था । **८.** संवत् १८७२ में श्रीजीमहाराज ने वेदविधि से दीक्षा दी, 'शुकानन्द स्वामी' नाम रखा । **९.** द्वादशी के दिन श्रीजीमहाराज ने शुकमुनि को खीचड़ी का पारणा करवाया । **१०.** सारंगपुर प्रकरण तीसरे में श्रीजीमहाराज ने शुकमुनि की प्रशंसा करते हुए कहा है कि, 'ये शुकमुनि बहुत बड़े साधु हैं, वे मुक्तानंद स्वामी जैसे ही हैं ।' **११.** श्रीजीमहाराज के अन्तर्धान हो जाने के बाद अक्षरकक्ष में चिट्ठी लिखवायी । **१२.** शुकमुनि ने डुंगरभाई को वर्तमान निवेदित करके आशीर्वाद दिये ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** मोतीभाई के पुत्र जेठाभाई, खेत में घुमते समय बिच्छू के काटने से धाम में गए । बाद में श्रीजीमहाराज के साथ आकर मोतीभाई को नारायण कहा ।

उत्तर : **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** **आशाभाई** के पुत्र **देसाईभाई**, **चारागाह** में **काम** करते समय **सर्पदंश** होने से धाम पधारे । बाद में **भगतजी महाराज** के साथ आकर **आशाभाई** को **जय स्वामिनारायण** बोला ।

१. **सद्गुरु देवानंद स्वामी :** देवानंद स्वामी मुक्तानंद स्वामी के पास रहकर वेदशास्त्र एवं गानविद्या सीखने लगे । (१६)

२. **भक्तराज जोबनपगी :** काशीदास ने जोबनपगी को कहा, ''इस स्वामिनारायण में तुमने क्या देख लिया ? वे क्या किसी चमत्कार से घोड़े की गाय बना देते हैं ?'' (४०)

३. **स्वामी निर्गुणदासजी :** संवत् १९५३ में आचार्य भगवत्प्रसादजी महाराज ने जेठाभाई को मुम्बई मन्दिर के कोठारी के रूप में नियुक्त किया । उसके बाद बड़ौदा, सुरत, गढ़डा आदि मन्दिरों में उन्होंने कोठारी के रूप में काम किया । (५०-५१)

४. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** पंचाला में झीणाभाई बीमार हो गये । यह समाचार श्रीजीमहाराज को वड़ताल में मिला । श्रीजीमहाराज तुरंत बैलगाड़ी पर सवार होकर आधी रात को पंचाला पहुँचे । (३२)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१०]**

१. युवकों के घड़न की विद्यापीठ : बी.ए.पी.एस. (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - फरवरी - २०१२)

२. मृत्यु मांगल्य का उत्सव : सेवा के संकल्प को पूर्ण करने की तमन्ना । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर - २०११)

३. मेरे अन्तर की वीणा की झनकार : भक्ति और करुणा का सागर । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - दिसम्बर - २०११)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/